मेलों का आयोजन

2682. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले एक वर्ष के दौरान देश मे और देश से बाहर मेले आयोजित किए जाने का प्रमुख लक्ष्य क्या है और उन पर अब तक कितना व्यय किया जा चुका है और उनके परिणामस्वरूप क्या लाभ हुए हैं ;

(ख) मेलों की कुल संख्या सहित उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां पिछले तीन वर्षों के दौरान वे मेले आयोजित किए गए और प्रचार के लिए अलग-अलग इन मेलों में क्या-क्या वस्तुएं प्रदर्शित की गई थीं ; और

(ग) क्या इनके क्षेत्र में विस्तार करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रिय रंजन दास मुंशी) : (क) देश के भीतर तथा विदेशों में मेले आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य भारत की औद्योगिक तथा वाणिज्यक क्षमताएं दर्शाना, निर्यात का संवर्धन, व्यवसायिक अवसरों का पता लगाना तथा हमारी प्रौद्योगिकी को आधुनिक बनाना है । भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा 1986-87 के दौरान भारत तथा विदेशों में आयोजित किए गए मेलों और प्रदर्शनियों पर हुआ कुल व्यय क्रमशः 262.65 लाख रु० तथा 8441.19 लाख रु० रहा । इन मेलों के परिणामस्वरूप हमारे उत्पादों तथा सेवाओं की व्यापक किस्मों को पर्याप्त व्यावसायिक अवसर प्राप्त हुए ।

(ख) एक विवरण संलग्न है (नीचे देखिये) ।

(ग) विदेशों में अधिकाधिक विशेषीकृत वस्तु मेलों में भाग लेने तथा देश के अन्य भागों में विशेषीकृत वस्तु मेले आयोजित करने का विचार है ।

विवरण

विगत तीन वर्षों के दौरान भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित मेलों के स्थान एवं उनमें प्रदर्शित उत्पादों के ब्यौरे ।

भारत में मेले

स्थान	मेलों की संख्या		
	1984-85	1985-86	1986-97
ई दिल्ली . . .	5	6	6
य	—	1	1

ारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा इन वर्षों के दौरान आयोजित भारत अन्तर्राष्ट्रीय मेले में बहु वस्तु मेले थे । अन्य मेलों में प्रदर्शित वस्तुओं में शामिल हैं : इलैक्ट्रानिक्स य उपभोक्ता माल, हथकरघा माल, ऊनी तथा खादी वस्त्र, खाद्य संसाधन मशीनरी, खाद्य पदार्थ, चमड़ा उत्पाद, चमड़ा बनाने वाली मशीने कालीन, पैकेजिंग ी तथा सामग्री आदि ।

विदेशों में मेले

देश	मेलों की संख्या		
	1984-85	1985-86	1986-87
इटली	2	1	2
जिम्बाबे	1	1	2
पुर्तगाल	1	—	—
पोलैंड	1	1	1
स्वीडन	—	1	—
तुर्की	1	—	—
मोजाम्बिक	1	—	—
एफ० आर० जी०	5	8	8
ईरान	1	1	1
सीरिया	1	—	1
कोरिया	1	—	1
रोमानिया	1	1	1
इराक	1	1	1
पेरू	1	—	—
कुवत	1	—	—
यू० के०	2	2	4
जी० डी० आर०	1	1	1
ए० आर० ई०	1	1	1
जापान	2	1	3
लीबिया	1	—	—
नेपाल	1	—	—
सोवियत संघ	1	—	1
सिंगापुर	2	1	—
फ्रांस	4	4	4
यू० एस० ए०	1	4	6
आस्ट्रेलिया	1	—	1
इंडोनेशिया	1	—	—
मोरक्को	—	1	—
हंगरी	—	1	
चीन	—	1	
कतार	—	1	
कोरिया	—	1	
कनाडा	—	1	
हांगकांग	—	1	

देश	1984-85	1985-86	1986-87
नीदरलैंड	--	1	--
अल्जीरिया	--	--	1
कोलंबिया	--	--	1
जाम्बिया	--	--	1
युगांडा	--	--	1
फिलीपिन	--	--	1
चकोस्लावाकिया	--	--	1
ओमान	--	--	1
मारीसश	--	--	1
बंगलादेश	--	--	1
पनामा	--	--	1
बर्मा	--	--	1

इन मेलों में उत्पादों की व्यापक श्रंखला प्रदर्शित की गई जिनमें ये शामिल हैं इंजीनियरी, परामर्शी सेवा , वस्त्र, चमड़ा, रत्न तथा आभूषण, खेल का सामान, रासायनिक पदार्थ तथा सम्बद्ध उत्पाद, हस्तशिल्प, संसाधित खाद्य पदार्थ तथा खाद्य उत्पाद आदि क्षेत्र ।

Construction of new ESI Hospitals in Gujarat

2683. SHRI RAMSINGHBHAI PATALIYABHAI RATHVAKOLI: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether Government have received any representation from Gujarat for the construction of new ESI hospitals as well as for repair of efflisting ESI hospitals at various places of Gujarat;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) what action the Central Government have taken thereon and the outcome thereof; and

(d) what are the plans and projects in this regard for 1987-88?

1 HE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise

(d) One 50 bed hospital at Bhavnagar and another 100 bed hospital (T.B.) at Baroda alongwith Staff Quarters are already under construction. In addition, the ESJ Corporation has approved the construction of one 50 bed-hospitai at Vapi and the constructed of this hospital is expected to start shortly.

Non-payment of gratuity

2684. SHRI RAMSINGHBHAI PATALIYABHAI RATHVA- KOLI: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether it is fact that a number of complaints have been received by various authorities for non-payment of gratuity to workers by the private and public sector in Gujarat and other places of the country during the period from 1st lanuary, 1985 to 15th luly, 1987;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) how many of the complaints have been disposed of and with what results;

(d) how many are pending for disposal and the reasons for the delay;